LOOK N LEARN
CHILDREN'S JAIN MAGAZINE
10th December 2016 I Every Fortnight I English, Hindi & Gujarati
Rs. 5.00/-

TITHI
बीज
BEEJ

TITHI
पांचम
PACHAM

TITHI
आठम
AATHAM

TITHI
अग्यारस
AGYARAS

TITHI
पूनम
POONAM

TITHI
अमास
AMAAS

Year - 9, Vol: 8, Issue: 09, Date: 10.12.2016
Editor: Ashokbhai Sheth 20, Vanik Niwas, 1st floor, Cama Lane, Ghatkopar (West), Mumbai - 400 086.

हम हमेंशा अपने भविष्य के बारे में सोच कर योजना करते है। हम अपनी पढ़ाई, केरियर, छुट्टियाँ, बर्थ डे पार्टी, फोरेन ट्रीप आदि की योजना करते रहते है। लेकिन यह सब इस जन्म तक ही सीमित है। क्या कभी आपको अपने अगले भव का खयाल आया है? क्या आपने कभी अपने अगले भव की योजना की है? क्या आपने कभी यह सोचा है कि इस भव के बाद आपका जन्म कहाँ होगा? आपको कौनसी गति मिलेगी?

We always plan and think about our future. We plan about our studies, career, holidays, birthday parties, foreign trips etc. But all this is limited only upto this birth but have you ever planned about your next birth? Have you ever thought where will be your next birth? Which gati (condition of soul after death or transition from one birth to another) will you get?

हाँ बच्चों! आपके अगले जन्म की योजना आपके हाथ में ही है। आप ही आपका भविष्य सँवार सकते हो। परमात्मा ने कहा है की हमें अपने कर्मों के मुताबिक अपना अगला जन्म मिलता है और हमारी गति सुनिश्चित होती है।

Yes children! it's in your hands how you plan your next birth. You have to brighten your future on your own. Parmatma has said that, depending upon our karmas (deeds) we will get our next birth and our gati gets confirmed.

गति के प्रकार
Types of Gati

गति के दो प्रकार है... सद्गति और दुर्गति। देव गति और मनुष्य गति को सद्गति कहते है। जिस गति में, जिस भव में परमात्मा का शासन मिले, धर्म मिले, देवगुरु मिले वह सद्गति है। तिर्यंच गति और नरक गति को दुर्गति कहते है।

There are two types of gati, sadgati and durgati. Dev gati and Manushya gati are called sadgati. Tiryanch gati and Narak gati are called durgati. A gati is said to be sadgati when we get refuge of Paramatma, Dharma and Guru.

इन चार गतियों में मनुष्य गति श्रेष्ठ है क्योंकि, मनुष्य भव में तप-त्याग और साधना द्वारा अपने कर्मो को क्षय कर के आत्मा को शुद्ध बनाकर सिध्ध बना सकते है जो देवलोक के देव भी नहीं कर सकते है।

Out of the four gati's, Manushya gati is said to be excellent Because, in human birth we can shed our karmas through penance, sacrifice and sadhana whereby, we can make our soul pure and attain moksh.

देव गति

Dev gati

मनुष्य गति

Manushya gati

तिर्यंच गति

Tiryanch gati

नरक गति

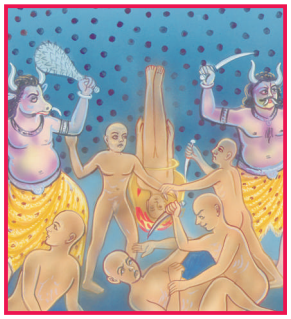

Narak gati

मेरा भविष्य मेरे हाथों में

जब आपका भविष्य आपके हाथ में है तो जाने के क्या करने से, कौन से कार्य करने से, कैसा व्यवहार करने से हमें कौनसी गति मिलेगी? आप कौनसी गति में जाना पसंद करेंगे? आपके पास ४ विकल्प है... देव गति, तिर्यँच गति, मनुष्य गति और नरक गति।

When your future is in your hand, then come let's see what type of work must be done to get which Gati. Which Gati would you like to go? You have 4 options... Dev gati, Tiryanch gati, Manushya gati and Narak gati.

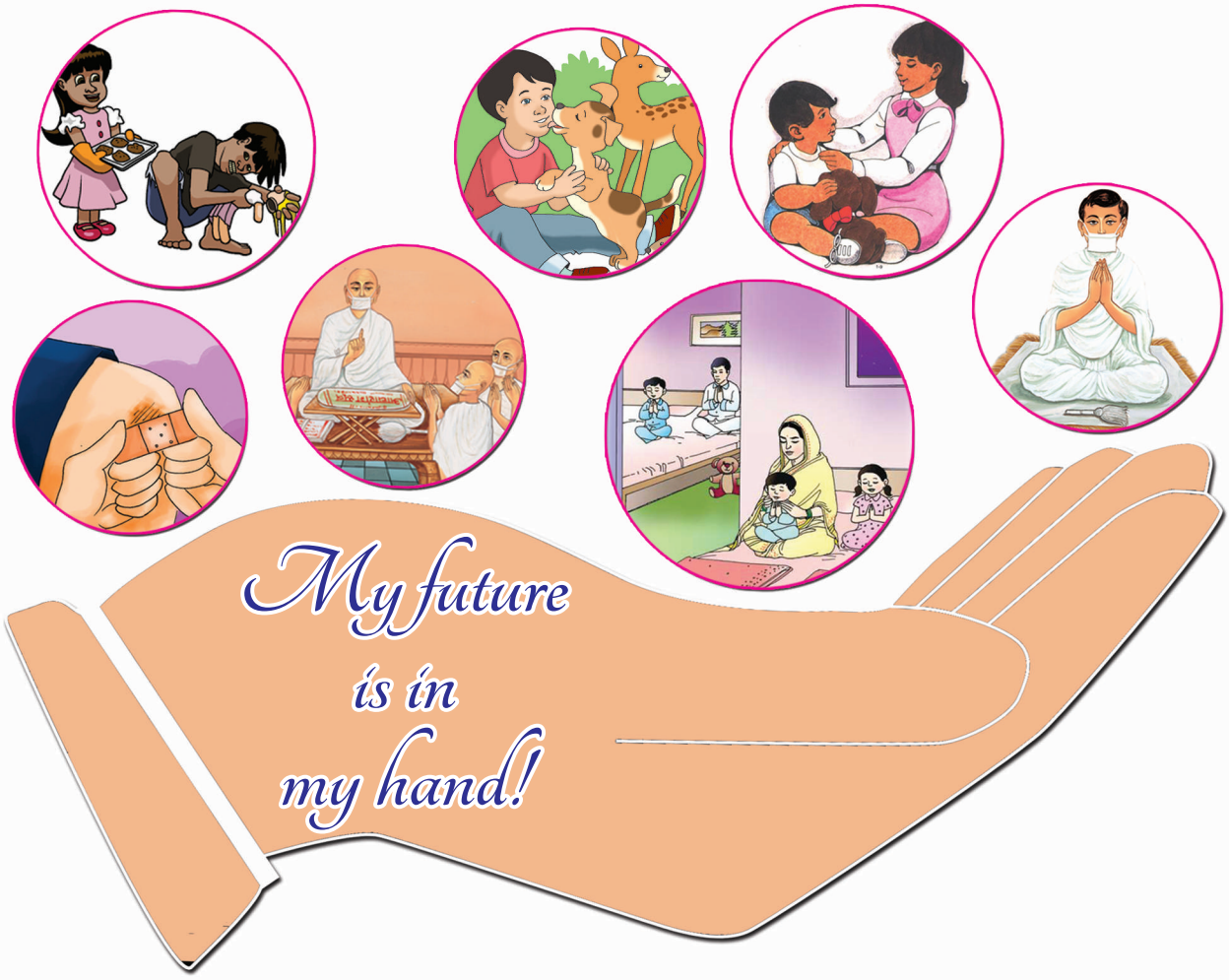

देव गति Dev Gati

क्या आपको देव गति में जाना है? देव गति में जन्म लेने के लिए आपको...

Do you want to go in Devgati? Inorder to take birth in Devgati you must...

तप त्याग करना चाहिए

Do penance and sacrifice

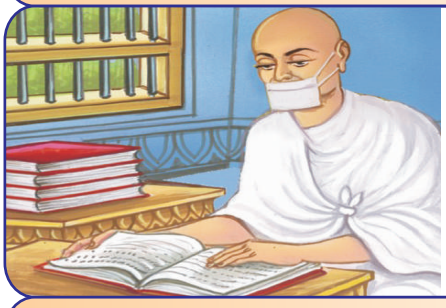

दीक्षा लेनी चाहिए

Take Diksha

निःस्वार्थ सेवा करनी चाहिए

Help generously

आत्म शुद्धि करनी चाहिए

Do purification of soul

जिनशासन का प्रचार करना चाहिए

To spread awareness of jainism

मनुष्य गति Manushya Gati

मनुष्य गति में जन्म लेने के लिए आपको...

To get birth as a human being, you must...

समभाव रखना चाहिए

Keep Equanimity

पाप करने से डरना चाहिए

Be afraid from doing sins

परमार्थ के कार्य करने चाहिए

Do work of benevolence

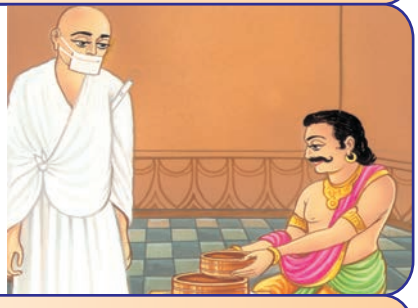

सच्चा श्रावक बनना चाहिए

Be a real shravak

सर्व जीव के प्रति मैत्रिभाव रखना चाहिए

Feeling of friendship with all beings

तिर्यंच गति Tiryanch Gati

क्या आपको तिर्यंच गति प्रिय है? नहीं! अगर आपको तिर्यंच नहीं बनना है, तो...

Do you like tiryanch gati? No! If you do not want to be a tiryanch, you must...

जूठ नहीं बोलना चाहिए

Avoid lying

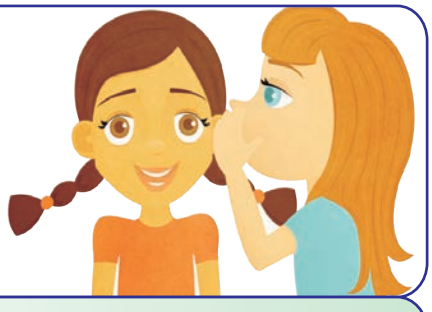

चोरी नहीं करनी चाहिए

Stop stealing

गुस्सा नहीं करना चाहिए

Do not get angry

लालच नहीं करना चाहिए

Stop being greedy

खाने पीने के शौक नहीं रखने चाहिए

Stop having fondness for food and drinks

नरक गति Narak Gati

क्या आप नारकी की वेदना, दुःखों का अनुभव करना चाहते हो? नहीं! तो आपको...

Do you want to experience the pain, sorrows in hell? No! Then you must...

हिंसा नहीं करनी चाहिए

Stop becoming violent

नॉन-वेज नहीं खाना चाहिए

Stop eating non-veg

मदीरा पान का सेवन नहीं करना चाहिए

Stop consumption of alcohol

दूसरों को दुःख नहीं पहुँचाना चाहिए

Stop causing pain to others

इन्द्रियों का दुर्पयोग नहीं करना चाहिए

Stop misusing your senses

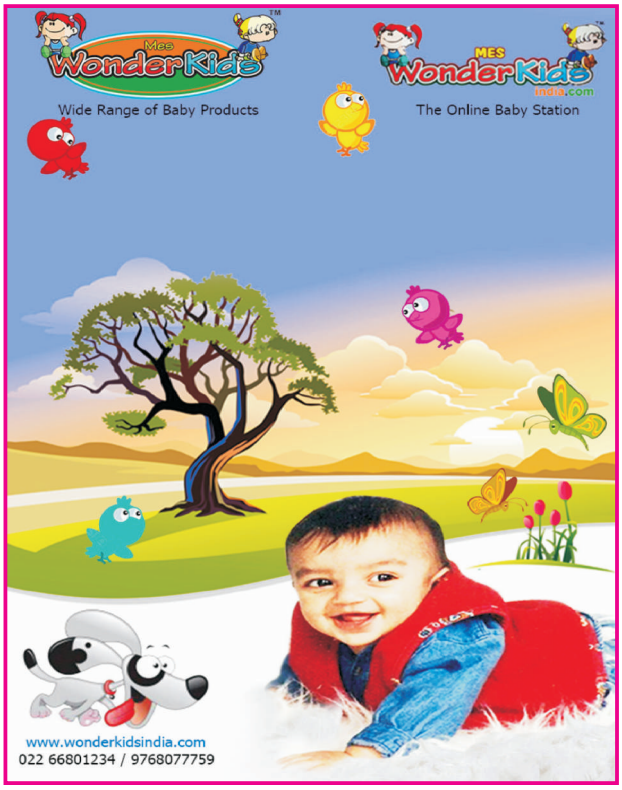

તિથિ

- કર્મનાં આવરણને ક્ષય કરવાની માસ્ટર કી એટલે તિથિ!
- આઠેય કર્મોને ક્ષય કરી પૂર્ણતાને પામવું એટલે તિથિ!
- મનન ની ઇચ્છાઓ પર નિયંત્રણ કરી અનંત જીવો ની રક્ષા કરવી એટલે તિથિ!
- સ્વાદ ઉપર જીત મેળવવી એટલે તિથિ!

तिथि (TITHI)

बच्चों, यहाँ तक आपने निश्चित ही अपने अगले जन्म की योजना की होगी! तो जाने कि हमें सद्गति कैसे मिलेगी? सद्गति का राजमार्ग क्या है, वो कौनसा रास्ता है जिससे सीधा हमें सद्गति की प्राप्ति होगी? वह रास्ता है-तिथि! महिने में आनेवाली बीज, पाँचम, अष्टमी, एकादशी, पूर्णिमा और अमावस्य इन दिनों को तिथि कहते है।

Children, till now you would have definitely planned for your next birth. So we will see how we can get sadgati. Do you know which is the royal highway (road) to sadgati? Which is the road (path) that will directly take us to sadgati? That path (road) is Tithi. There are special days in every month which are called Tithi. They are the second, fifth, eighth and eleventh day of every lunar fortnight and also new moon and no moon day.

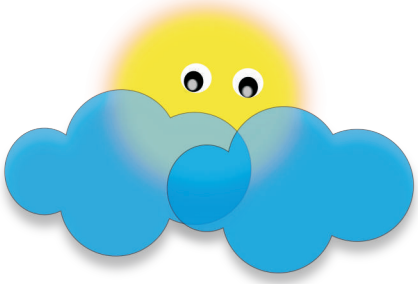

तिथि क्यों पालनी चाहिए?

Why should we follow Tithi?

जैन धर्म में तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। तिथि का हमें अवश्य पालन करना चाहिए। तिथि के दिन जैसे कि सागर में लहरें उठती है और उसके कारण पूर्णीमा को ज्वार और अमास को भाटा होता है। वैसे ही तिथि के दिन हमारी आत्मा भी स्पंदित होती है। इन्हीं दिनों में हमारा अगला जन्म निश्चित होता है। इस समय हम जैसी प्रवृत्ति करेंगे, जैसे भाव करेंगे, जैसे कार्य करेंगे वैसे ही कर्मों का बंध करेंगे। इसलिए तिथि के दिनों में हमें अच्छे कर्म करने चाहिए जिससे हमें सद्गति मिले।

Tithi is given special importance in Jain Dharma. We must certainly follow tithi. On the day of tithi, the waves rise in the sea and due to this reason there is high tide on new moon and low tide during no moon day. Similarly, on the days of tithi our soul vibrates. And on these days our next birth is determined.
At this point of time, depending upon the activities we do, the feelings we develop, the actions we do, we bind similar type of karmas. That's why on the days of tithi we must do good things so that we get Sadgati.

Build Your Vocabulary!!!

Dictionary

The Precious P

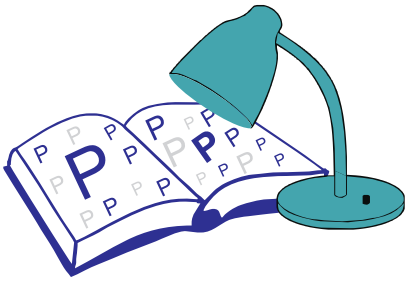

P - Panchendriya
Living beings with five senses

P - Prithvikay
Earth beings which has life

P - Prayaschit
To accept your mistake

P - Paushad
To experience diksha jivan for one day

Find out and make a list of more Divine words starting with letter "P"

Punya Shravak

तिथि के दीनों में क्या नहीं करना चाहिए?

तिथि के दिनों में जितनी कम हिंसा हो वैसा लक्ष्य रखना चाहिए। अशुभ विचार आये एसी प्रवृत्ति नहीं करनी चाहिए।

01

हरी सब्जी नहीं खानी चाहिए
क्योंकि
असंख्य जीवों की हिंसा होती है।

चॉकलेट / आईस्क्रीम नहीं खाना चाहिए
क्योंकि
रसपरित्याग तप होता है।

02

03

रात्री भोजन का त्याग करना चाहिए
क्योंकि
रात्री भोजन नरक गति का द्वार है।

होटेल में नहीं जाना चाहिए
क्योंकि
होटेल में अभक्ष्य खाना बनता है।

04

05

बडे बुजुर्ग के सामने नहीं बोलना चाहिए
क्योंकि
यह अविनय है।

अन्न का अनादार नहीं करना चाहिए
क्योंकि
भविष्य में भूखे रहे ऐसे कर्म बंध होते है।

06

07

झगड़ा नहीं करना चाहिए
क्योंकि
झगड़ा करने से क्रोध का सेवन होता है।

नाटक, सिनेमा नहीं देखना चाहिए
क्योंकि
इंन्द्रियों पर नियंत्रण नहीं रहता है।

08

09

ज्यादा समय तक टी.वी. नहीं देखना
क्योंकि
मन के भाव अशुद्ध होते है।

तिथि के दिनों में क्या करना चाहिए?

What should we do on days of tithi?

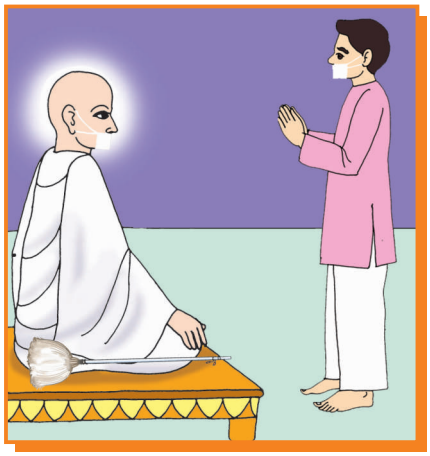

01 गुरुदेव के दर्शन करने चाहिए।
Pay a visit to Pujya Gurudev.

02 मौन रहना चाहिए।
Be peaceful.

03 धर्म ध्यान, साधना और आराधना करनी चाहिए।
Do meatation and worship.

04 स्वाध्याय करना चाहिए।
Read spiritual books.

05 तप-त्याग करना चाहिए।
Do penance and sacrifice.

Ayushmaan Bhava

A Blessing For A Lifetime Of Good Health Is Born With Your Baby
Preserve Your Baby's Umbilical Cord Stem Cells At Birth
Now At Just ₹9990*

LifeCell™

Call 1800 419 5555 | SMS 'LIFECELL' TO 53456 | www.lifecell.in

*Terms & Conditions Apply

परमात्मा

Parmatma

01

तिथि परमात्मा का आदेश है। परमात्मा के आदेश का पालन करने से पुण्य का बंध होता है जिससे हमें सद्गति प्राप्त होती है।

Tithi is order of Parmatma and supporting these order we bind punya, because of which we get sadgati.

02

परमात्मा की आराधना करने से भविष्य में परमात्मा और परमात्मा के धर्म की अनुकुलता मिलती है।

By worshiping Parmatma, in future also we will get the convenience of Parmatma and religion of Parmatma.

03

परमात्मा ने कहा है की तिथि के दिन जितनी कम हिंसा होगी उतने कम कर्म बंधेगे।

Parmatma has said lesser the violence we do on the day of tithi, lesser will be the karmas that we bind.

04

तिथि के दिन तप साधना करनी चाहिए और ऐसा आहार ग्रहण करना चाहिए जिस में कम जीवों कि हिंसा हो।

On tithi, we should do penance and worship Parmatma and must consume that type of food which causes least violence.

05

परमात्मा ने कहा है की, तिथि के पालन से भविष्य में हमें वृक्ष और कंदमूल का रुप लेकर जन्म नहीं लेना पडेगा।

Parmatma has said that, by following tithi in future, we may not have to take birth in form of trees and root vegetables.

❖ कंदमूल (Root Vegetables) ❖

कंदमूल के एक छोटे से टुकड़े में, सूई की नोक जितने टुकड़े पर अबजों जीव रहते है जिसे हम गिन भी न सके इतने अनगिनत जीव रहते है। वैसे ही हरी सब्झी में भी असंख्य जीव होते है।

In a small piece of root vegetables, which can be kept on the tip of a needle, millions of Jeev live, which we can't count, they are countless. Same is in green vegetables.

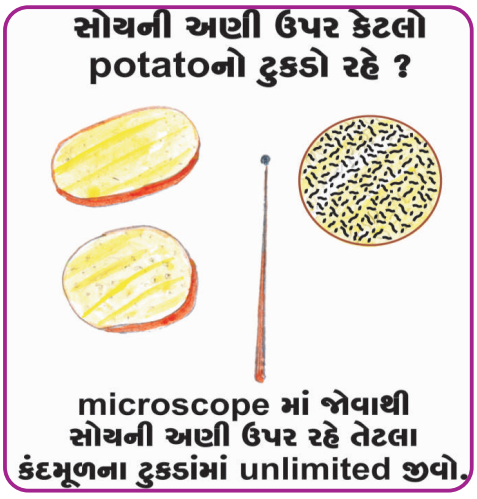

अब हम ये खाते है तो इतने सारे जीवों की हिंसा का पाप लगता है। हम अशुभ कर्म बाँधते है।

When we eat them, we commit sin by hurting all those jeev. We bind impure (ashub) karmas.

जब धान्य जैसे के मूँग, चने, बरबटी आदि में एक दाने में एक जीव रहेता है इसलिए एक कटोरी मूँग खाते है तो हम अनगिनत जीवों को अभयदान दे सकते है।

Whereas, there is only one jeev in every seed of corn and pulse. So, if we eat one bowl of pulses we can actually give abhay daan to uncountable jeev's.

तो फिर क्या अच्छा है? आप ही निर्णय कीजिए!

So what is better? You decide!

GAME TIME

Name the gati : _____

State whether it is : Sadgati ☐ Durgati ☐

Justify your answer : _____

_____

_____

Name the gati : _____

State whether it is : Sadgati ☐ Durgati ☐

Justify your answer : _____

_____

_____

Name the gati : _____

State whether it is : Sadgati ☐ Durgati ☐

Justify your answer : _____

_____

_____

Name the gati : _____

State whether it is : Sadgati ☐ Durgati ☐

Justify your answer : _____

_____

_____

Parmatma

- Our planner

You relax in an aeroplane though you do not know the pilot,

You relax in a ship though you do not the captain,

You relax in the bus not knowing the driver,

then, why dont you relax in your life knowing that...

Parmatma is its controller?

Trust your Parmatma! He is the best planner!

- Nysha Doshi

Let me try and score myself High

Tithi Days	Poonam	Beej	Pacham	Aatham	Agyaras	Amaas	Beej	Pacham	Aatham	Agyaras	Poonam
Dates in your Calendar	13/12/16	15/12/16	18/12/16	21/12/16	24/12/16	28/12/16	30/12/16	02/01/17	05/01/17	08/01/17	12/01/17

I will follow... (Give 10 marks for each box)

I will use less water											
I will do Penance											
I will avoid Vegetables											
I will do Samayik											
I will remain calm											
I will do Sootra Kanthastha											
I will chant a mala											
I will go for Guru Darshan											
I will eat food before Sunset											
I will be helpful to all											

Registered with Registrar of Newspapers under RNI No. MAH MUL/2011/40056
Vol. : 8, Issue : 09, Date : 10.12.2016, Postal Registration No. MNE/171/2015-17.
Date of Posting / Date of Publication 10th & 25th of every month.
Look N Learn - Posted at Mumbai patrika channel sorting office Mumbai -1

भक्तामर गाथा

त्वत्संस्तवेन भव-सन्तति-सन्निबद्धं, पापं क्षणात्क्षय-मुपैति शरीर-भाजाम्।
आक्रांत-लोक-मलिनील-मशेष-माशु, सूर्यांशु-भिन्न-मिव शार्वर-मन्धकारम्।।७।।

अर्थ

जैसे रात्रिजन्य सम्पूर्ण अंधकार को सूर्य की किरणें शीघ्र नष्ट कर देती है, उसी प्रकार हे प्रभु! आपका स्तवन भी संसारी प्राणियों के पापों को शीघ्र नष्ट कर देता है।

शब्दार्थ

त्वत्	: आपकी	लोकम्	: लोक में
संस्तवेन	: स्तोत्र से / स्तुति से	अलीनीलम	: भौंरे के समान काले
भवसन्तति	: संसार परंपरा	अशेषम्	: सम्पूर्ण
सन्निबद्धं	: बंधा हुआ / संचित	आशु	: शीघ्र
पापं	: पाप / पाप कर्म	सूर्य	: सूरज
क्षणात्	: क्षण भर में	अंशु	: किरण
क्षयं	: विनाश को / नाश को	भिन्नम्	: नष्ट हो जाता है
उपैति	: प्राप्त होता है	इव	: तरह से / उसी प्रकार
शरीरभाजाम्	: शरीर धारियों के	शार्वरम्	: रात्रि के / रात्रि संबंधी
आक्रातं	: व्याप्त / फैला हुआ	अन्धकारम्	: अंधकार को

सर्व संकट निवारक

Publisher, Printer and Owner Ashok R. Sheth, Printed at : Accurate Graphics Pvt. Ltd.,
15-A, Samrat Mill Compound, L.B.S Marg, Vikhroli (W), Mumbai - 400 079.
Publish at Mumbai : 20, Vanik Nivas, Kama Lane, Ghatkopar (W), Mumbai - 86. Editor : Ashok R. Sheth